

107
B.P.

26.12.19 प्रथम पत्र की डाकरी है।

विपकी अनु०।

क्र. 21-1-20

7.1.20 उलाय पत्र (अनु०)

क्र. 24.1.20

24.1.20 उलाय पत्र. अनु०

क्र. 28.2.20

28.2.20 प्रथम पत्र की डाकरी है।

विपकी अनु०

क्र. 7.3.20

7.3.20 प्रथम पत्र की डाकरी है वकालतन डाकरी है।

विपकी

क्र. 26.3.20

26.3.20 लोक सेवा गठन के कारण अतिरिक्त

1-6.20 अलाय (उपस्थानित क्रिया गणना)।

क्र. 25.6.20

25/06/2020

अतिरिक्त के अपलोड के विवरण होगा है कि यह वाद कालबाधित है चुका है।

ही कार्यवाही व्यमात्र ही जारी है। अतः वाद

लेखादि



अनु. दया०

गिरिदीप



अनु. दया०

गिरिदीप